भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 288

3 फरवरी, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

औषधीय पौधे और दुर्लभ प्रजातियां

288. डॉ. बीसेट्टी वेंकट सत्यवतीः
श्री बेल्लाना चन्द्रशेखरः
श्री कुरुवा गोरांतला माधवः
श्रीमती चिंता अनुराधाः
श्री एम.वी.वी. सत्यनारायणः

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों की दुर्लभ प्रजातियों की पहचान करने के लिए आंध्र प्रदेश सहित राज्य-वार कोई सर्वेक्षण किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों की दुर्लभ प्रजातियों की खेती के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए कोई योजना कार्यान्वित की है;

(घ) यदि हां, तो अब तक संस्वीकृत और जारी की गई धनराशि और तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

<u>उत्तर</u>

आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): जी हां। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई) नामक संगठन को औषधीय और सुगंधित पादपों सहित देश के पादपों की विविधता के सर्वेक्षण करने का अधिदेश प्राप्त है। बीएसआई के अनुसार, आंध्र प्रदेश राज्य सहित देश में अनुमानित 8000 से अधिक औषधीय पादप प्रजातियां पाई जाती हैं। बीएसआई के आंकड़ों के अनुसार, पश्चिमी हिमालय में अनुमानित 1500 प्रजातियां, पूर्वी हिमालय में 3000 प्रजातियां, पश्चिमी घाट में 2000 प्रजातियां, पूर्वी घाट में 1500 प्रजातियां और अंदमान और निकोबार द्वीप में 750 प्रजातियां पाई जाती हैं।

केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) ने अपने मेडिको एथनो बॉटनिकल सर्वेक्षण कार्यक्रम के माध्यम से 1971-2000 की अवधि के दौरान आंध्र प्रदेश में औषधीय पादपों की 1004 प्रजातियों का सर्वेक्षण किया और उनका दस्तावेजीकरण किया। आंध्र प्रदेश में प्रलेखित औषधीय पादपों की दुर्लभ प्रजातियों की सूची **संलग्नक-I** में दी गई है।

राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष मंत्रालय ने अपनी *'औषधीय पादप संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन की केंद्रीय क्षेत्र योजना'* के तहत औषधीय पादपों के सर्वेक्षण और पहचान पर अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के लिए भी सहयोग प्रदान किया है। विगत पांच वर्षों के दौरान समर्थित परियोजनाओं का ब्यौरा **संलग्नक-II** में दिया गया है।

(ग): आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने वर्ष 2015-16 से 2020-21 तक औषधीय पादपों की खेती को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना कार्यान्वित की थी। राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना के 'औषधीय पादप' घटक के तहत, आंध्र प्रदेश सहित समग्र देश में चयनित राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों के माध्यम से मिशन मोड में पहचान किए गए समूहों/अंचलों में 140 प्राथमिकता प्राप्त औषधीय पादपों की बाजारोन्मुख खेती को समर्थन और कार्यान्वित किया था। योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार, निम्नलिखित के लिए सहायता प्रदान की जाती थी :

(i) किसान की भूमि पर प्राथमिकता प्राप्त औषधीय पादपों की खेती।
(ii) गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री को बढ़ावा देना और उसकी आपूर्ति करने के लिए पश्चवर्ती संबद्धता के साथ पौधशालाओं की स्थापना।
(iii) अग्रवर्ती सम्बद्धता के साथ फसलोपरांत प्रबंधन।
(iv) प्राथमिक प्रसंस्करण, विपणन अवसंरचना आदि।

इस स्कीम के तहत पूरे देश में 140 औषधीय पादपों की खेती के लिए खेती की लागत का 30%, 50% और 75% की दर से सब्सिडी प्रदान की जाती है। सब्सिडी निम्नलिखित के आधार पर प्रदान की जाती थी:

औषधीय पादप श्रेणी	**सब्सिडी श्रेणी**
ऐसी प्रजातियां जो अत्यधिक संकटग्रस्त हैं और आयुष उद्योग द्वारा इसकी अधिक मांग की जाती है,	खेती की लागत का 75%
ऐसी प्रजातियां जो लुप्तप्राय हैं और उनकी आपूर्ति के स्रोत कम हो रहे हैं	खेती की लागत का 50%
आयुष उद्योग द्वारा मांग और निर्यात की जाने वाली अन्य प्रजातियां	खेती की लागत का 30%

(घ) और (ङ): राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) योजना के तहत औषधीय पादप घटक के लिए वित्तीय वर्ष 2015-16 से 2020-21 तक संस्वीकृत और जारी की गई निधियों का राज्य-वार ब्यौरा **संलग्नक-III** में दिया गया है।

*****

संलग्नक-I

आंध्र प्रदेश में प्रलेखित औषधीय पौधों की दुर्लभ प्रजातियों की सूची:

क्र. सं.	**वानस्पतिक नाम**	**वर्ग**	**स्थिति**
1.	*क्रेटेवा एडांसोनी* डीसी एसएस.पी. *ओडोरा* (बुचहैम.) जैकब्स.	कैपेरेसी	असुरक्षित
2.	*बोसवेलिया ओवलिफोलीओलाटा* बाल. और हेनरी.	बर्सेरेसी	असुरक्षित
3.	*गोयनिया लेप्टोस्टाच्या* डीसी.	रमानेसी	दुर्लभ
4.	*सराका असोका* (रोक्सब.) डी वाइल्ड	फाबासीय	दुर्लभ
5.	*पेउकादनम धना* हैम.	एपीयासी	दुर्लभ
6.	*एम्बेलिया रिब्स* बर्म. एफ.	माईसिनेसी	दुर्लभ
7.	*रावोल्फिया सर्पेंटिना (एल.)* बेन्थ. एक्स कुर्ज़.	एपोकिनेसी	दुर्लभ
8.	*डेकालेपिस हैमिल्टन* डब्ल्यूटी. और अर्न.	एपोकिनेसी	दुर्लभ
9.	*लेप्टाडेनिया रेटिकुलाटा* (रेट्ज़.) डब्ल्यूटी. और अर्न.	एपोकिनेसी	दुर्लभ
10.	*मार्सडेनिया टेनैसिमा* (रॉक्सब.) मून	एपोकिनेसी	दुर्लभ
11.	*ओरोक्सिलम इंडिकम* (एल.) वेंट.	बिग्नोनियासी	असुरक्षित

संलग्नक-II

***औषधीय पादप संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन की केंद्रीय क्षेत्र योजना* के अंतर्गत विगत 05 वर्षों के दौरान विभिन्न औषधीय पादप संबंधी सर्वेक्षण, पहचान और लक्षण वर्णन पहलू आधारित अनुसंधान के क्रियाकलापों से संबंधित समर्थित परियोजनाओं का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा**

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	परियोजना का नाम और एजेंसी का ब्यौरा
असम	'स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं (एलएचटी), मौखिक स्वास्थ्य पद्धतियों (ओएचटी) और एथेनो औषधीय पद्धतियों (ईएमपी) का गहन मूल्यांकन और सत्यापन: पूर्वोत्तर भारत के जातीय समुदायों का समावेशी अध्ययन'। केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई), गुवाहाटी (असम), बोरसोजाई, डाकखाना-बेलटोला, गुवाहाटी, कामरूप (एम), असम- 781028
	कैम्फेरिया गलंगा की उच्च उपज वाली किस्मों की पहचान और विकास: एक उच्च मूल्य लुप्तप्राय औषधीय पादप। वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)- नॉर्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एनईआईएसटी) पी.ओ. आरआरएल जोरहाट 785006, असम पादप प्रजातियाँ: *कैम्फेरिया गलंगा*
नई दिल्ली	'बनियम पर्सिकम का संरक्षण, विशेषता और संरक्षण: एक लुप्तप्राय पादप प्रजाति'। टिश्यू कल्चर एंड क्रायोप्रिजर्वेशन यूनिट, आईसीएआर- नेशनल ब्यूरो ऑफ प्लांट जेनेटिक्स रिसोर्सेज, नई दिल्ली- 110012 चयनित पादप: *बनियम पर्सिकम*
हिमाचल प्रदेश	'फ्रिटिलारिया रॉयली हुक.एफ., (काकोली) का सर्वेक्षण, मानचित्रण, कृषि तकनीक का विकास, चयनित जर्मप्लाज्म का मूल्यांकन और अर्थशास्त्र: औषधीय और सुगंधित पादपों के अष्टावर्ग समूह के महत्वपूर्ण पादप'। हिमालयन फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट, कोनिफर कैंपस पंथाघाटी, शिमला- 171013 आईसीएआर- एनबीपीजीआर, क्षेत्रीय केंद्र, फागली, शिमला, एच.पी., 171004। चयनित पादप:- *फ्रिटिलारिया रोयलेरी*
	भारत में हरड (टर्मिनलिया चेबुला रीट्स) का 'सर्वेक्षण, चयन, फाइटो-केमिकल इवैल्यूएशन, साइटोजेनेटिकल कैरेक्टराइजेशन एंड मल्टी-लोकेशन टेस्टिंग। बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, डॉ. वाईएस परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी, सोलन-177001 पादप प्रजातियाँ: *टर्मिनलिया चेबुला रेट्स*
	'पश्चिमी हिमालय की तलहटी में संरक्षित खेती में औषधीय पादपों के भू-टैग किए गए डिजिटल डेटाबेस और वर्णक्रमीय पुस्तकालय का विकास'। हाई एल्टीट्यूड बायोलॉजी विभाग (एचएबी) डिवीजन, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश -176061
कर्नाटक	'मध्य पश्चिमी घाटों में उत्कृष्ट वर्ग के प्रकारों की पहचान, आणविक विशेषता और अत्यधिक कारोबार वाले और संकटग्रस्त औषधीय पादपों का संरक्षण'। पादप प्रजातियाँ: कोस्किनियम फेनेस्ट्रेटम, एम्बेलिया रिब्स, सलासिया ओबोंगा और मैपिया फोएटिडा। कॉलेज ऑफ फॉरेस्ट्री, यूएएस धारवाड़, सिरसी, उत्तर कन्नड़, कर्नाटक - 581401, टेलीफोन: 9448933680 इकॉलोजी में अनुसंधान के लिए अशोक ट्रस्ट और पर्यावरण संरक्षण जेनेटिक्स लैब, रॉयल

	एन्क्लेव श्रीरामपुरा, जक्कुर डाकखाना, बेंगलुरु 560064 (एटीआरईई) टेलीफोन: 09448182477,
केरल	अधतोडा बेडडोमेई सीबीसीआई (सीतादलोटकम) का जर्मप्लाज्म संरक्षण और फाइटोकेमिकल मूल्यांकन' वनस्पति विज्ञान विभाग, केरल विश्वविद्यालय, करियावट्टम, पिन -695581, तिरुवनंतपुरम पादप प्रजातियाँ: *अधतोडा बेडडोमेई*
	स्यूडार्थ्रिया विस्सिडा (एल.) का जेनेटिक्स स्टॉक विकास, उत्तम कृषि पद्धति (जीएपी) का मानकीकरण और बाजार विश्लेषण - सूचीबद्ध उच्च मात्रा व्यापार औषधीय पादप। केरल कृषि विश्वविद्यालय, केएयू पीओ, त्रिशूर, केरल पादप प्रजातियाँ: *स्यूडार्थ्रिया विस्सिडा*
मध्य प्रदेश	काली हल्दी (कुरकुमा कैसिया रोक्स्ब) का जर्मप्लाज्म संग्रहण और बायो मोलेकुलर लक्षण वर्णन' जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश-482004 पादप प्रजातियां: *कुरकुमा कैसिया रॉक्स्ब*
राजस्थान	'राजस्थान की ग्रामीण और जनजातीय आबादी की एथेनो -औषधीय पद्धतियों की खोज और प्रलेखन'। खाद्य और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर - 303122, राजस्थान पादप प्राजाति: 1. खैरकथा (एकासिया कैचू एल एफ) वाइल्ड. 2. डोकंटा (एकैन्थोस परमुमहिस्पिडम) डीसी. 3. अंधीझारा (अचिरंथेस एस्पेरा एल.) 4. दांतेली (बैरलेरियाप्रियोनाइटिस एल.) 5. एकरा (कैलोट्रोपिस प्रोसेरा (एआईटी) बी आर.) 6. कैर [कप्पारिस डिकिडुआ (फोरस्क।) एज्यू.] 7. ढोलीमुसली (क्लोरोफाइटम ट्यूबरोसम)
	शुष्क और अर्ध शुष्क क्षेत्रों के दुर्लभ, लुप्तप्राय और संकटग्रस्त औषधीय पादपों का सर्वेक्षण, सूचीकरण, प्रलेखन, प्रसार और संरक्षण। एएफआरआई, न्यू पाली रोड, जोधपुर-342005 जेएनवी-विश्वविद्यालय, जोधपुर-342005
पश्चिमी बंगाल	'औषधीय आर्किड: दार्जिलिंग और सिक्किम हिमालय के हिमालयी क्षेत्र में संग्रहण, संरक्षण और गुणन के माध्यम से व्यावसायिक खेती के लिए आबादी की ओर एक कदम'। जेनेटिक्स और पादप सृजन/ब्रिडिंग और पादप सृजक विभाग, उत्तर बंग कृषि विश्व विद्यालय (यूबीकेवी), क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र (एच जेड), कलिम्पोंग, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल -734301

संलग्नक-III

एनएएम (2015-16 से 2020-21) के अंतर्गत औषधीय पादप घटक के लिए आवंटित और जारी की गई गईं निधि की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार स्थिति

(रु. लाख में)

क्र. सं.	**राज्य**	**अनुमोदित निधियां**	**जारी की गईं निधियां**
1.	आंध्र प्रदेश	1246.306	787.918
2.	अरुणाचल प्रदेश	246.254	194.854
3.	असम	702.611	632.350
4.	बिहार	287.201	172.321
5.	छत्तीसगढ़	438.700	263.220
6.	गुजरात	848.014	508.808
7.	गोवा	102.739	61.643
8.	हरियाणा	120.867	72.520
9.	हिमाचल प्रदेश	500.287	456.456
10.	जम्मू-कश्मीर	395.926	339.307
11.	कर्नाटक	1233.653	781.353
12.	केरल	1086.987	690.149
13.	मध्य प्रदेश	3072.130	1585.179
14.	महाराष्ट्र	969.991	581.994
15.	मणिपुर	337.082	309.454
16.	मेघालय	181.524	163.372
17.	मिजोरम	276.109	235.283
18.	नागालैंड	341.365	273.260
19.	ओडिशा	278.862	167.317
20.	पंजाब	339.033	203.420
21.	पुडुचेरी	25.583	23.025
22.	राजस्थान	1881.410	1162.905
23.	सिक्किम	129.606	97.660
24.	तमिलनाडु	1104.307	662.584
25.	तेलंगाना	731.463	472.273
26.	त्रिपुरा	83.944	79.156
27.	उत्तर प्रदेश	3108.794	1871.464
28.	उत्तराखंड	643.745	585.417
29.	पश्चिम बंगाल	1134.985	680.991
	कुल	**21849.478**	**14115.653**